

शब्दाधिष्ठान पुं. (तत्.) शब्द का आधार, श्रवणेंद्रिय, कान।

शब्दानुकरण पुं. (तत्.) 1. शब्द का अनुकरण, शब्द की नकल करना 2. चिकित्सालय की एक ऐसी क्रिया, जिसमें रोगी से किसी अन्य व्यक्ति के शब्दों अथवा वाक्यांशों को दोहराने के लिए कहा जाता है।

शब्दानुवाद पुं. (तत्.) एक भाषा के प्रत्येक शब्द का दूसरी भाषा की वाक्य संरचना में अंतरण।

शब्दानुशासन पुं. (तत्.) शब्दों का अनुशासन या शास्त्र, व्याकरण।

शब्दायमान वि. (तत्.) शब्द करता हुआ, ध्वनि करता हुआ, शब्दकारी।

शब्दार्थ पुं. (तत्.) शब्द और उसका अर्थ, शब्द का अभिप्राय, शब्द का अर्थ।

शब्दार्थाघात पुं. (तत्.) एक प्रकार का मानसिक दोष जिसमें व्यक्ति किसी वाक्य या वाक्यांश का अर्थ ग्रहण नहीं कर पाता जबकि वह वाक्य में प्रयुक्त सभी शब्दों को अलग-अलग जानता है।

शब्दालंकार पुं. (तत्.) वह अलंकार जिसमें उक्ति का चमत्कार अर्थ पर निर्भर न होकर उसमें प्रयुक्त विशिष्ट शब्दों पर निर्भर होता है, शब्द विशेष को बदल देने पर उक्ति का चमत्कार भी नष्ट हो जाता है।

शब्दावलि/ली स्त्री. (तत्.) किसी रचना में प्रयुक्त होने वाला शब्द-समूह।

शब्दित वि. (तत्.) ध्वनित, वादित, उच्चारण किया गया, पुकारा गया, बुलाया गया, आहूत।

शब्दिम पुं. (तत्.) भाषा. कोश की किसी प्रविष्टि का मुख्य शब्द।

शब्देन्द्रिय स्त्री. (तत्.) कान।

शबखैर वि. (अर.) 'रात कुशलता से बीते' इस अभिप्राय का एक वाक्य जो रात में दो मित्र

आपस में बिदा होते समय एक दूसरे को कहते हैं। good night

शम पुं. (तत्.) 1. आनंद, समृद्धि, आशीर्वाद के भाव को प्रकट करने के लिए प्रयुक्त 2. शांत होना, संतुष्ट होना, प्रसन्न होना 3. थमना, ठहरना, समाप्त होना 4. चिंता 5. काम तमाम, मार डालना 7. प्रसन्न करना, धीरज देना, शांत करना 7. सांत्वना देना 8. दमन करना, परास्त करना 9. हराना।

शमक वि. (तत्.) 1. शांत करने वाला, सुलह कराने वाला 2. औषध।

शमकरण पुं. (तत्.) शांत करने का भाव या क्रिया।

शमता पुं. (तत्.) दे. शम।

शमथ पुं. (तत्.) 1. मानसिक शांति 2. मन की शांति, आवेशाभाव 2. परामर्शदाता।

शमन पुं. (तत्.) 1. शांति, शांत करना, शांतकारी 2. यमराज 3. एक मृग 4. यज्ञ के लिए पशुबलि 5. दमन 6. दोष, विकार 7. नाश 8. बुझाना वि. 1. शमन करने वाला, शांत करने वाला 2. दमन करने वाला 3. वशीभूत करने वाला 4. निवारण करने वाला, दूर करने वाला।

शमनी स्त्री. (तत्.) रात, रात्रि।

शमनीय वि. (तत्.) 1. शमन करने योग्य, शांत करने योग्य 2. जिसे शांत किया जाना हो 3. दूर करने योग्य, निवारण योग्य।

शमल पुं. (तत्.) 1. विष्ठा, मल, अपवित्र पदार्थ 2. पाप 3. नैतिक अपवित्रता, मलिनता 4. छानन, तलछट।

शमला पुं. (फा.) 1. कंधे पर डाली जाने वाली शाल 2. सिर पर बाँधी जाने वाली पगड़ी का सिरा, तुरी।

शमलाशम पुं. (तत्.) जीवाश्मों का प्रकृति द्वारा वर्षों पूर्व संरक्षित रह गया अवशेष, जो लुप्त प्रजाति जानवरों के भोजन आदि की आदतों के विषय में जानने का स्रोत बनता है।